26.6 सिले सिलाए (रेडीमेड) कपड़े, दर्जी के सिले और घर में सिले कपड़े

जब भी हम नए वस्त्र लेना चाहते हैं तो हमारे सामने तीन विकल्प होते हैं–

(i) रेडीमेड कपड़े खरीदें

(ii) पहले कपड़ा खरीदें फिर दर्जी से सिलवाएं, या

(iii) कपड़ा खरीद कर घर में ही सिल लें

इसके लिए कोई भी बनाबनाया पैमाना नहीं है, जिसके आधार पर हम कह सकें कि ये कपड़े हमें रेडीमेड ही लेने चाहिए अथवा ये कपड़े हमें घर में ही बनाने चाहिए। हर वस्त्र के अपने कुछ फायदे और नुकसान हैं। कुछ लोग यह भी कह सकते हैं कि कुछ कपड़े रेडीमेड लेने में, कुछ दर्जी से बनवाने में और कुछ घर में बनाने में समझदारी होती है। आइए रेडी मेड, दर्जी के सिले और घर में सिले कपड़ों के फायदों और नुकसान के बारे में जानकारी प्राप्त करने की कोशिश करते हैं।

(i) रेडी मेड वस्त्र

फायदे

1. रेडीमेड वस्त्रों को खरीदने के तुरंत बाद पहन सकते हैं।
2. रेडीमेड कपड़े खरीदने से समय की बचत होती है।
3. कभी–कभी रेडीमेड कपड़े सस्ते पड़ते हैं, क्योंकि इनका उत्पादन थोक में होता है।
4. खरीदने से पहले इन्हें आप भली भांति देख–परख सकते हैं कि ये आपके लायक हैं या नहीं।
5. कई बार इन कपड़ों पर कुछ विशेष प्रकार की परिसज्जा की गई होती है जो सामान्य मशीन से नहीं की जा सकती, जैसे अंडर गार्मेंट्स के ऊपर जिगजैग (टेढ़ी मेढ़ी) सिलाई।
6. रेडी मेड वस्त्र प्रायः नए फैशन को ध्यान में रख कर तैयार किए गए होते हैं, क्योंकि एक उत्पादक की दूसरे के साथ बाजार में प्रतियोगिता होती है।
7. रेडी मेड कपड़ों को खरीदने से पहले नाप कर देखा जा सकता है।
8. आप इनमें से अपनी पसंद के रंग, डिजाइन, स्टाइल आदि का चुनाव कर सकते हैं।

9. इनकी कटाई, खासकर पैंटों की, बहुत ही सुंदर और अनुकूल होती है।

नुकसान

1. इनमें उपयोग होने वाले कपड़े, धागे, बटन, हुक आदि बहुत अच्छी क्वालिटी के नहीं होते।
2. चूंकि उत्पादक का उद्देश्य मुनाफा होता है, इसलिए इसमें काम करने वाले कारीगर बहुत अच्छे नहीं होते और उसके हिसाब से कीमत ज्यादा होती है।
3. रेडीमेड वस्त्रों की सीवन में ज्यादा दबाव नहीं होता, ताकि जरूरत पड़ने पर इन्हें बड़ा किया जा सके।
4. विभिन्न कद–काठी के लोगों में ये वस्त्र फिट नहीं आते, क्योंकि ये औसत कद–काठी के लोगों को ध्यान में रख कर तैयार किए गए होते हैं।
5. इनकी सिलाई बहुत मजबूत नहीं होती। हो सकता है एक बार पहनने के बाद ही टूट जाए।
6. कोई जरूरी नहीं कि इनमें आपको अपनी पसंद के डिजाइन और रंग मिल जाएं।
7. अक्सर एक ही तरह के वस्त्र पहने हुए कई लोग दिख जाते हैं।

(ii) दर्जी के सिले कपड़े

फायदे

1. आप अपनी पसंद का डिजाइन तैयार करा सकते हैं।
2. रेडीमेड कपड़े की तरह इसका डिजाइन किसी और की तरह की हू ब हू नहीं हो सकती।
3. आप अच्छी क्वालिटी का कपड़ा खरीद सकते हैं।
4. इसमें अपनेआप कपड़े सिलने का समय बचता है।
5. इसकी फिटिंग आपके शारीरिक गठन के अनुरूप होती है।
6. आप अपनी पसंद के कपड़े से अपनी पोशाक बनवा सकते हैं।

नुकसान

1. कई बार दर्जी अपनी मर्जी से डिजाइन बदल देता है और आपको उसे स्वीकार करना पड़ता है।

2. कई बार इन वस्त्रों की फिटिंग और फिनिशिंग (परिसज्जा) संतोषजनक नहीं होती।

3. दर्जी घटिया क्वालिटी के धागे और बटन, आदि लगा सकता है।

4. दर्जी आपसे अधिक कपड़े मांग सकता है, जिसस वह महंगा पड़ता है। उसकी सिलाई का खर्च अलग से वहन करना पड़ता है।

5. आपको कम से कम दो बार दर्जी के पास जाना पड़ता है। एक बार देने और एक बार लेने के लिए। इस तरह हर बार आपको अपना समय, पैसा और ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है।

(iii) घर में सिले कपड़े

फायदे

1. आप अच्छी क्वालिटी के धागे, बटन आदि इस्तेमाल कर सकते हैं।

2. आप अपनी पसंद के डिजाइन तैयार कर सकते हैं।

3. आप दर्जी को दिए जाने वाले पैसे बचा सकते हैं।

4. आप दर्जी के पास आने–जाने और सिलाई में लगने वाला समय बचा सकते हैं। इस तरह समय और पैसे दोनों की बचत की जा सकती है।

5. अपने द्वारा तैयार किए गए वस्त्र में आप खुश और संतुष्ट अनुभव कर सकते हैं।

6. आप सीवन में अधिक दबाव दे सकते हैं, जिससे कि बाद में जरूरत पड़ने पर उसे बड़ा किया जा सकता है।

7. बचे हुए कपड़े से बैग या दूसरे वस्त्र बनाए जा सकते हैं।

नुकसान

1. आपके लिए सिलाई में प्रशिक्षित होना और विशेष ज्ञान होना जरूरी होता है। नहीं तो कपड़ों की घटिया सिलाई से आपकी मेहनत और पैसे दोनों की बरबादी होती है।

2. आपके पास सिलाई के लिए वक्त होना चाहिए।

3. आपके पास इंटर लॉकिंग आदि विशेष परिसज्जा के लिए खास तरह की मशीन नहीं भी हो सकती है।

4. आपके पास हमेशा अच्छा डिजाइन उपलब्ध नहीं होता।